"तकनीकी और कौशल शिक्षा की परिवर्तनकारी गतिशीलता"

हिंदी भाषा में एक-दिवसीय सम्मेलन

(26 सितम्बर, 2025)

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

(हरियाणा सरकार द्वारा स्थापित भारत का पहला सरकारी कौशल विश्वविद्यालय)

दुधौला, पलवल, हरियाणा

www.svsu.ac.in

आयोजक

कौशल अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी संकाय व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एस.वी.एस.यू.

एवं

विज्ञान भारती

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

हरियाणा सरकार ने कौशल और उद्यमिता विकास की दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता को समझते हुए 2016 में भारत का पहला कौशल विश्वविद्यालय, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल जिले के दुधोला गांव में स्थापित किया। विश्वविद्यालय का लक्ष्य अपने पाठ्यक्रम के माध्यम से नवीन और नवाचार तरीके से उद्यमिता कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार के लिए ज्ञान अर्जन और कौशल विकास करना है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय कौशल योग्यता रूपरेखा (एनएसक्यूएफ) संरेखित कार्यक्रमों का संचालन करता है, जो उद्योग भागीदारों और अन्य हितधारकों के साथ अनुसंधान के बाद विकसित किये गए है। जिसके पीछे का मूल उद्देश्य छात्रों को उद्योगों और संगठनों द्वारा अपेक्षित कौशल से परिपूर्ण करना हैं।

महत्वपूर्ण कौशलों की पहचान करते हुए, विश्वविद्यालय ने एक अद्वितीय दोहरी शिक्षा पद्धति को अपनाया है, जहां 60% समय, छात्र उद्योग सलाहकारों की देखरेख में नौकरी प्रशिक्षण (ओजेटी) पर रहते है एवं अवलोकन, विश्लेषण, संचालन के माध्यम से विविध महत्वपूर्ण कौशल सीखते हैं। 'सीखो और कमाओ' छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने का मंत्र है।

उद्योग की मांग और बदलते तकनीकी परिदृश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय एआई, एमएल, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, सोलर, क्रिमिनल फोरेंसिक, बिजनेस एनालिटिक्स, कृषि, एमएलटी, जियोइन्फॉर्मेटिक्स, जापानी और जर्मन भाषा, योग, आदि विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। विश्वविद्यालय अपने परिसर से विभिन्न क्षेत्रों में कई अल्पकालिक कार्यक्रम भी संचालित करता है। पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य 'उद्यमिता और कौशल' पर जोर देना है। विश्वविद्यालय ने उद्योग एकीकृत दोहरे शिक्षा पद्धति को लागू करने के लिए 100+ से अधिक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पद्धति के तहत, छात्रों को विभिन्न औद्योगिक सहयोगियों के माध्यम से उनके अध्ययन के क्षेत्र में नौकरी पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

विज्ञान भारती

स्वदेशी विज्ञान आंदोलन की शुरुआत भारतीय विज्ञान संस्थान (बेंगलुरु) में प्रो. के.आई. वासु के मार्गदर्शन में कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी। इस आंदोलन ने धीरे-धीरे गति पकड़ी और राष्ट्रीय स्तर पर एक संगठन के रूप में उभरा। नागपुर सम्मेलन (वर्ष 1991) में, अखिल भारतीय स्तर पर स्वदेशी विज्ञान आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया और इसे विज्ञान भारती नाम दिया गया।

एक कल्याणकारी राज्य की ओर बढ़ते हुए, भारत एक राष्ट्र के रूप में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों की अनूठी प्रकृति को देखते हुए, भारत की विरासत के अनुरूप विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति ही इनका सामना करने में सक्षम है। इस संदर्भ में, स्वदेशी भावना से ओतप्रोत एक विज्ञान आंदोलन, विज्ञानभारती, की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। विज्ञानभारती देश भर में राज्य इकाइयों, स्वायत्त संस्थानों, स्वतंत्र संगठनों और परियोजना संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

सम्मेलन के बारे में

भाषा ज्ञान के रास्तों को खोलती है लेकिन हमारे ही देश में अंग्रेजी पर हम सभी की अति-निर्भरता ने गाँव, कस्बों व शहरों तक के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा ज्ञान के अभाव के कारण विज्ञान और तकनीकी ज्ञान से वंचित कर दिया है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित व क्रमबद्ध रूप से आगे बढ़ाने और आज की जरूरत को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू की है। नई शिक्षा नीति में भाषा के संबंध में उत्पन्न उन सभी सवालों को समझा व नई शिक्षा नीति का हिस्सा बनाया गया है।

इसी सन्दर्भ में, श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय “तकनीकी और कौशल शिक्षा की परिवर्तनकारी गतिशीलता“ विषय पर हिंदी भाषा में एक-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य तकनीकी और कौशल शिक्षा की बदलती प्रकृति का पता लगाने के लिए वैश्विक संवाद और सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करना है।

उद्देश्य

1. तकनीकी और कौशल शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।
2. हितधारकों को पाठ्यक्रम विकास, शैक्षणिक नवाचारों, उद्योग सहयोग और सर्वोत्तम प्रथाओं से संबंधित अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करें।
3. तेजी से बदलती दुनिया की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित हो रही शैक्षिक सामग्री और शिक्षण पद्धतियों पर चर्चा की सुविधा प्रदान करना।
4. तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में प्रमुख रुझानों और चुनौतियों की पहचान करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के भविष्य को आकार देने में योगदान देना।
5. भारतीय संस्कृति में तकनीकी एवं कौशल विकास की संकल्पना एवं इसकी वर्तमान प्रासंगिकता।
6. तकनीकी एवं कौशल विकास का स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर भारत में योगदान।
7. विकसित भारत हेतु तकनीकी एवं कौशल विकास।

अपेक्षित परिणाम

1. तकनीकी एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों एवं अवसरों की पहचान।
2. अंतरराष्ट्रीय संस्थानों,उद्योग विशेषज्ञों और शैक्षिक चिकित्सकों के बीच एक सहयोगी नेटवर्क का विकास।
3. तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन दृष्टिकोणों का संकलन।
4. तकनीकी और कौशल शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए नीति निर्माताओं और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सिफारिशें तैयार करना।
5. तकनीकी एवं कौशल विकास के माध्यम से उद्यमिता एवं स्वरोजगार को प्रोत्साहन देना।
6. विकसित भारत हेतु तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा की रुपरेखा तैयार करना।

विषय

- अभियांत्रिकी/विज्ञान/मानविकी/प्रबंधन/कृषि क्षेत्र में नवीन प्रगति (Recent Advancement in Engineering /Sciences /Humanities/Management/Agriculture)
- कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में पाठ्यक्रम उन्नयन/अभिनव शैक्षणिक पद्धतियाँ (Curriculum Upgradation/Innovative Pedagogical Methodologies in development of skill ecosystem)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के कार्यान्वयन में उद्योग की भूमिका (Role of Industry towards implementing National Education Policy - 2020)
- कौशल शिक्षा का बदलता स्वरूप (Changing nature of Skill education)

महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोधपत्र सार प्रेषित करने की अंतिम तिथि: 31 अगस्त 2025
पंजीकरण की अंतिम तिथि: 15 सितम्बर 2025
पूर्ण शोधपत्र प्रेषित करने की अंतिम तिथि: 15 सितम्बर 2025

सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार का पंजीकरण शुल्क जमा नहीं करना है।

प्रकाशन

संपादकीय समिति की अनुशंसा पर चयनित शोध-पत्र "विज्ञान प्रकाश" में प्रकाशित किए जाएंगे **(www.vigyanprakash.in)**.

सम्पर्क सूत्र -

conference@svsu.ac.in

शोध पत्र प्रस्तुतीकरण

सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्र पूर्णतः मौलिक एवं पहले प्रकाशित नहीं होना चाहिए या कहीं और प्रकाशन के लिए स्वीकृत अथवा प्रकाशन के लिए विचाराधीन नहीं होना चाहिए। शोध पत्र सार को निम्नलिखित Google Link के माध्यम से प्रस्तुत/ जमा किया जाना चाहिए:
https://forms.gle/Jmtt2DF9Lgesg8zX8

*लेख का सारांश (Abstract) लगभग 100 शब्दो का आवश्यक है।
* लेख लगभग 2000 से 5000 शब्दों के बीच हिंदी में होने चाहिए। यदि यूनीकोड में होंगे तो संपादन में आसानी होगी।
* लेख का शीर्षक, मुख्य शब्द तथा इसका सारांश अंग्रेजी तथा हिंदी दोनों में होना अनिवार्य है।
* सभी लेख तकनीकी लेखन के मानकों के आधार पर होने चाहिए, जिसमें प्रत्येक संदर्भ का लेख में यथोचित क्रॉस रेफरेंसिंग किया गया हो।

कार्यक्रम रुपरेखा

क्रम संख्या	सत्र	समय सारणी
1	उद्घाटन सत्र (Inaugural Session)	10:00 AM – 11:00 AM
2	जलपान (Tea)	11:00 AM – 11:30 AM
4	समानांतर तकनीकी सत्र (Parallel Technical Session)	11:30 AM- 01:30 PM
5	दोपहर का भोजन (Lunch)	01:30 PM – 02:30 PM
6	तकनीकी सत्र का सारांश (Summary of technical session)	02:30 PM – 03:30 PM
7	जलपान (Tea)	03:30 PM – 04:00 PM
8	समापन सत्र (Valedictory Session)	04:00 PM – 05:00 PM

Chief Patron/मुख्य संरक्षक

Prof. Dinesh Kumar, VC, SVSU

Patron/संरक्षक

Prof. Jyoti Rana, Registrar, SVSU

Convenor (s)/संयोजक

Prof. R. S. Rathore, Dean (SFASH), SVSU

Prof. Sathans, NIT, Kurukshetra

Co-Convenor (s)/सह संयोजक

Dr. Mohit Kumar Srivastav, SVSU

Dr. Kalpana Maheshwari, SVSU

Advisory Committee/सलाहकार समिति

Prof. Sushil Kr Tomar, VC, JC Bose Univ., Faridabad
Prof. S.G. Bhirud, VC, COEP Tech. Univ., Pune
Prof. Tripta Thakur, DG, NPTI, HR
Dr. Arvind C. Ranade, Director, NIF-Delhi
Dr. Biswajit Saha, Director, CBSE, Delhi
Dr. Madhukar Maruti Waware, Joint Secretary, UGC
Prof. Virendra Kr Paul, Director, SPA, Delhi
Dr. Sultan Singh, GMDA
Prof. Ravi Pratap Singh, IIT Delhi
Prof. Piyush Tiwari, BIT Mesra, Jharkhand
Prof. Shruti Tripathi, DSEU, Delhi
Dr. K. K. Mishra, HBCSE, TIFR, Mumbai
Mr. Naresh Mago, CnX, Gurugram
Dr. (Brig.) Sunita Kakkar, VSM
Dr. Rishipal, JIVA Ayurveda Foundation
Dr. Madhuri Dubey, National Skills Network

Prof. Ashok Kr Nagawat, VC, DSEU, New Delhi
Prof. Pawan Sharma, Pro. VC, CUH
Prof. Ranjana Agarwal, Director, CSIR-NIScPR
Prof. Prem Kalra, Founder Director IIT Jodhpur
Prof. Pratapanand Jha, Director (CIL), IGNCA, Delhi
Dr. C.S. Verma, Deputy Director, AICTE
Prof. R. P. Khambayat, Head, DTVE, NITTTR, Bhopal
Prof. Rampalli P.Raya, Ex-Dean Pondicherry Univ.
Prof. Sanjay Agarwal, IGNOU, Delhi
Prof. S.P. Agarwal, SAU, New Delhi
Prof. Atul Mishra, NITTTR Bhopal
Mr. Harbhajan Singh, Chief- Strategy & HR, XLRI Delhi
Dr. Ranjit Singh, NITTTR Bhopal
Mr. Arvind Kaul, MD, East-West, New Delhi
Mr. Kamlesh Koul, Elofic India Ltd.
Mr. Ajay Prasad, B3 Galaxy

Editorial Committee/संपादकीय समिति

Prof. Rishipal, SVSU
Prof. Ashish Shrivastava, SVSU
Prof. Kulwant Singh, SVSU
Dr. D. V. Pathak, SVSU
Dr. Adarsh Mangal, Govt. Engg. College, Ajmer
Dr. Prachi Kukshal, Sr. Scientist, S.S.S.R.F.H, Palwal
Dr. Nityananda Agasti, University of Delhi
Dr. Anurag Gaur, NSUT, Delhi
Dr. Kumud Tanwar, Jaipur, Rajastan
Dr. Bhoopendra Pratap Singh, SVSU

Prof. Suresh Kumar, SVSU
Prof. Usha Batra, SVSU
Dr. Sunil Garg, SVSU
Prof. Ashok K. Kakodia, Govt P G College Alwar
Prof. Taruna Kumari, IGNOU, New Delhi
Mr. Subhash Gupta, ACE
Dr. Bindu Mangala, JC Bose Univ., Faridabad
Dr. Bharti Rana, University of Delhi
Mr. Avdhesh Kumar, AICTE

Organizing Committee/आयोजक समिति

Dr. Nakul, SVSU
Dr. Ajay Kumar, SVSU
Mr. Praveen Sharma, SVSU
Ms. Jyoti Nain, SVSU
Mr. Mayank Singh, SVSU
Mr. Rahul Malik, SVSU
Ms. Meenakshi, SVSU
Mr. Prabhishek Shroti, SVSU
Dr. Himani Varshney, SVSU
Mr. Bharat Sharma, SVSU

Dr. Shiv Kumar, SVSU
Dr. Manoj Sharma, SVSU
Mr. Hement Kumar, SVSU
Mr. Ajay Yadav, SVSU
Ms. Priyam Sheoran, SVSU
Dr. Santosh Kumar, SVSU
Dr. Sohan Lal, SVSU
Dr. Raj Kumar, SVSU
Ms. Jaya Kaushik, SVSU